



P.V.G.'s
Mukhtangan English School & Jr. College,
44, Vidyanagari, Parvati, Pune - 411009.

Terminal Examination - (2025-26)
Standard - X

Subject : Hindi [Entire]

Marks : 80

Date : 14/10/2025

Time : 8.00 to 11.00am.

सूचनाएँ –

- १) सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
- २) सभी आकृतियों के लिए पेन/पेंसिल का ही प्रयोग करें।
- ३) रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
- ४) शुद्ध एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग १ – गद्य : 20 अंक

प्रश्न 1 अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

रामस्वरूप : (शंकर को प्याला पकड़ाते हुए) वह क्या?

गो. प्रसाद : खूबसूरती पर टैक्स! (रामस्वरूप और शंकर हँस पड़ते हैं।)
मजाक नहीं साहब, यह ऐसा टैक्स है जनाब कि देने वाले चूँ भी न करेंगे।

रामस्वरूप : (जोर से हँसते हुए) वाह-वाह! खूब सोचा आपने! वाकई आजकल खूबसूरती का सवाल भी बेढ़ब हो गया है। हम लोगों के जमाने में तो यह कभी उठता भी न था। (तश्तरी गोपाल की तरफ बढ़ाते हैं।) लीजिए।

गो. प्रसाद : (समोसा उठाते हुए) कभी नहीं साहब, कभी नहीं।

रामस्वरूप : (शंकर की तरफ मुखातिब होकर) आपका क्या खयाल है शंकर बाबू?

शंकर : किस मामले में?

रामस्वरूप : यही कि शादी तय करने में खूबसूरती का हिस्सा कितना होना चाहिए!

गो. प्रसाद : (बीच में ही) यह बात दूसरी है बाबू रामस्वरूप, मैंने आपसे

पहले भी कहा था, लड़की का खूबसूरत होना निहायत जरूरी है और जायचा (जन्म पत्र) तो मिल ही गया होगा ।

रामस्वरूप : जी, जायचे का-मिलना क्या मुश्किल बात है । ठाकुर जी के चरणों में रख दिया । बस, खुद-ब-खुद मिला हुआ समझिए । (शंकर भी हँसता है, मगर गोपाल प्रसाद गंभीर हो जाते हैं ।)

गो. प्रसाद : लड़कियों को अधिक पढ़ने की जरूरत नहीं है । सिलाई-पुराई कर लें बस।

रामस्वरूप : हँ-हँ! (मेज को एक तरफ सरका देते हैं । फिर अंदर के दरवाजे की तरफ मुँह कर जरा जोर से) अरे, जरा पान भिजवा देना... (उमा पान की तश्तरी अपने पिता को देती है । उस समय उसका चेहरा ऊपर को उठ जाता है और नाक पर रखा हुआ सुनहरी रिमवाला चश्मा दिखता है । बाप-बेटे चौंक उठते हैं ।)

गो. प्रसाद

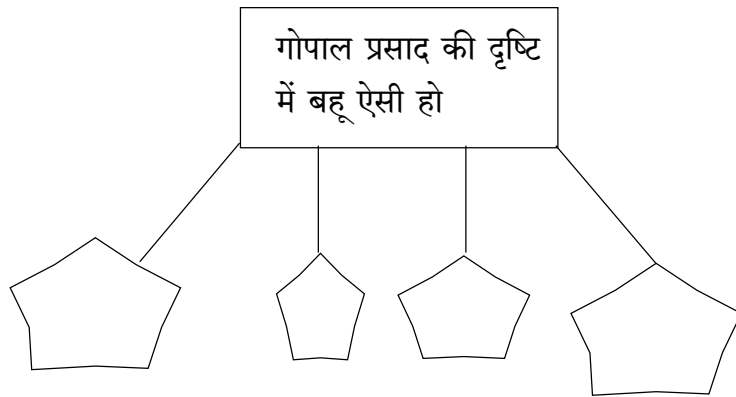
और शंकर : (एक साथ) चश्मा!!!

रामस्वरूप : (जरा सकपकाकर) जी, वह तो... वह... पिछले महीने में इसकी आँखें दुखने लग गई थीं, सो कुछ दिनों के लिए चश्मा लगाना पड़ रहा है ।

गो. प्रसाद : पढ़ाई-वढ़ाई की वजह से तो नहीं है कुछ?

1) आकृति पूर्ण कीजिए.

[2]



2) i) निम्नलिखित विधान सत्य है या असत्य लिखिए

[1]

१) उमा चाय की तश्तरी अपने पिता को देती है =

२) रामस्वरूप मेज को एक तरफ सरका देते हैं =

ह

ii) गद्यांश में आए शब्दयुग्म ढूँढ़कर लिखिए ।

[1]

i) _____ ii) ह _____

3) i) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए । [1]

१) खूबसूरत ×

ह

२) मुश्किल ×

ii) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए । [1]

i) चरण =

ह

ii) तश्तरी =

ह

4) चश्मा लगने की वजहें और चश्मा न लगे इसके उपाय के बारे में अपने विचार ८-१० पंक्तियों में लिखिए । [2]

आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

टाँग से ज्यादा फिक्र मुझे उन लोगों की हुई जो हमदर्दी जताने मुझसे मिलने आएँगे । ये मिलने-जुलने वाले कई बार इतने अधिक आते हैं और कभी-कभी इतना परेशान करते हैं कि मरीज का आराम हराम हो जाता है, जिसकी मरीज को खास जरूरत होती है । जनरल वार्ड का तो एक नियम होता है कि आप मरीज को एक निश्चित समय पर आकर ही तकलीफ दे सकते हैं किंतु प्राइवेट वार्ड, यह तो एक खुला निमंत्रण है कि “हे मेरे परिचितो, रिश्तेदारो, मित्रो ! आओ, जब जी चाहे आओ, चाहे जितनी देर रुको, समय का कोई बंधन नहीं । अपने सारे बदले लेने का यही वक्त है ।” बदले का बदला और हमदर्दी की हमदर्दी । मिलने वालों का खयाल आते ही मुझे लगा मेरी दूसरी टाँग भी टूट गई ।

मुझसे मिलने के लिए सबसे पहले वे लोग आए जिनकी टाँग या कुछ और टूटने पर मैं कभी उनसे मिलने गया था, मानो वे इसी दिन का इंतजार कर रहे थे कि कब मेरी टाँग टूटे और कब वे अपना एहसान चुकाएँ । इनकी हमदर्दी में यह बात खास छिपी रहती है कि देख बेटा, वक्त सब पर आता है।

दर्द के मारे एक तो मरीज को वैसे ही नींद नहीं आती, यदि थोड़ी-बहुत आ भी जाए तो मिलने वाले जगा देते हैं- खास कर वे लोग जो सिर्फ औपचारिकता निभाने आते हैं । इन्हें मरीज से हमदर्दी नहीं होती, ये सिर्फ सूरत दिखाने आते हैं। ऐसे में एक दिन मैंने तय किया कि आज कोई भी आए, मैं आँख नहीं खोलूँगा । चुपचाप पड़ा रहूँगा । ऑफिस के बड़े बाबू आए और मुझे सोया जानकर वापस जाने के बजाय वे सोचने लगे कि यदि मैंने उन्हें नहीं देखा तो कैसे पता चलेगा कि वे मिलने आए थे । अतः उन्होंने मुझे धीरे-धीरे हिलाना शुरू किया । फिर भी जब आँखें नहीं खुलीं तो

उन्होंने मेरी टाँग के टूटे हिस्से को जोर से दबाया । मैंने दर्द के मारे कुछ चीखते हुए जब आँख खोली तो वे मुस्कराते हुए बोले- “कहिए, अब दर्द कैसा है ?”

1) i) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए । [2]

i) मरीज को किसकी जरूरत होती है?

ii) रिश्तेदारों से मिलने का खयाल आते ही लेखक को क्या लगा?

ह

ii) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए । [1]

i) टाँग =

ह

ii) परेशानी =

ह

iii) परिच्छेद में आए प्रत्यययुक्त शब्द ढूँढ़कर लिखिए । [1]

i)

ii)

ह

2) i) निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए । [1]

i) हमदर्दी =

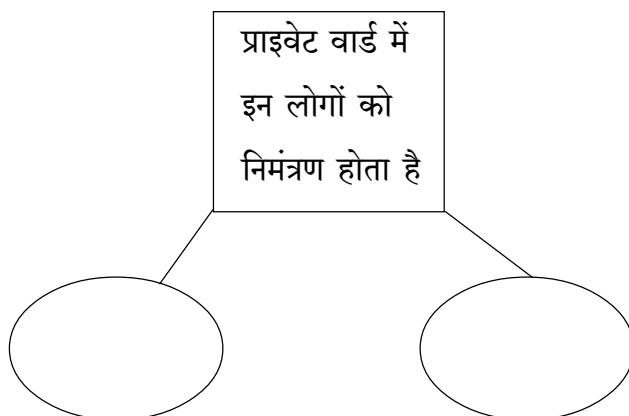
ह

ii) एहसान =

ह

ii) आकृति पूर्ण कीजिए । [1]

ह



3) मरीज से मिलने जाते समय कौन-कौन-सी सावधानियाँ बरतनी चाहिए, अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए । (८-१० पंक्तियों में) [2]

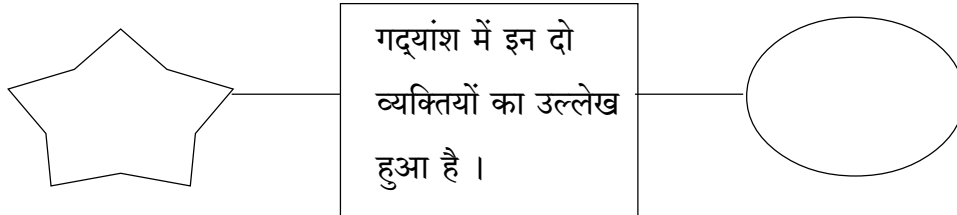
इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

राजकुमार का घोड़ा कई घंटों तक दौड़ने के बाद बेदम हो गया था । राजकुमार गहरे जंगल में फंस चुका था, और चारों ओर खतरे का माहौल था । अचानक, उसने देखा कि एक सन्यासी पास

ही ध्यान की अवस्था में बैठे हुए थे । राजकुमार ने उनसे मदद माँगी । सन्यासी ने मुस्कुराते हुए पूछा, “वत्स, घोड़ा क्यों इतना थक गया?” राजकुमार ने बताया, “मैं एक मृग का पीछा कर रहा था, और उसे पकड़ने की लालसा में बहुत दूर आ गया । अब यह घोड़ा चलने में असमर्थ है । “सन्यासी ने गहरी सांस ली और पास ही पड़े मृत मृग के शरीर को अपने कंधे पर उठाकर कहा, “यह देखो, तुम्हारी लालसा ने इस निर्दोष जीव की जान ले ली । जीवन में हर चीज के पीछे भागने का परिणाम यही होता है । “राजकुमार शर्मिदा हो गया और बोला, “महाराज, मैं समझ गया कि मृग को पकड़ने की मेरी जिद ने मेरे घोड़े को थका दिया और मृग की जान भी ले ली । अब मुझे क्या करना चाहिए?” सन्यासी ने कहा, “जीवन में हर चीज को पाने की चाह रखना सही नहीं है । हमें अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए, लेकिन लालच और जिद से बचना चाहिए । अब अपने घोड़े को आराम दो और यह सीख लो कि आवश्यकता से अधिक प्रयास कभी-कभी नुकसानदायक होता है ।” राजकुमार ने मृग को उचित सम्मान देते हुए वहीं पर दफनाया और अपने घोड़े को आराम देकर वापस अपने राज्य की ओर लौट गया । उसने प्रण लिया कि वह अब से किसी भी जीव के प्रति दया भाव रखेगा । और अपने कर्तव्यों में संयम बरतेगा ।

1) i) आकृति पूर्ण कीजिए ।

[1]



ह

ii) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में लिखिए ।

[1]

i) राजकुमार का घोड़ा कैसा हो गया था?

ह

ii) राजकुमार ने किससे मदद माँगी?

2) उपर्युक्त गद्यांश से मिलनेवाली सीख पर २५ से ३० शब्दों में अपने विचार लिखिए ।

[2]

विभाग २ – पद्य : 12 अंक

प्रश्न 2)अ)निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

विश्व का पालक बन जो, अमर उसको कर रहा है,
किंतु अपने पालितों के, पद दलित हो मर रहा है,
आज उससे कर मिला, नव सृष्टि का निर्माण कर लूँ ।

उस कृषक का गान कर लूँ ॥

क्षीण निज बलहीन तन को, पत्तियों से पालता जो,
ऊसरो को खून से निज, उर्वरा कर डालता जो,
छोड़ सारे सुर-असुर, मैं आज उसका ध्यान कर लूँ ।

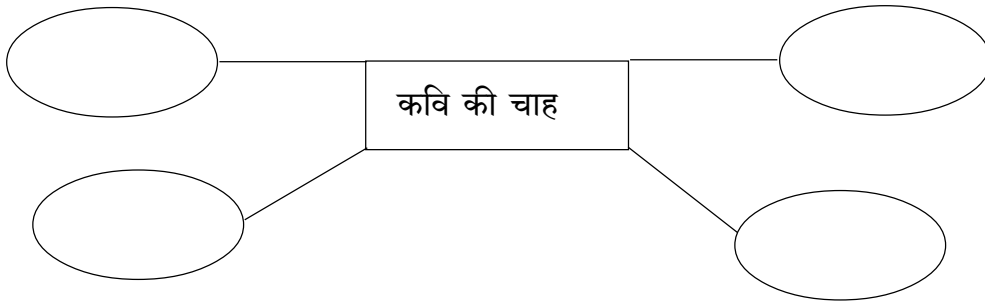
उस कृषक का गान कर लूँ ॥

यंत्रवत जीवित बना है, माँगते अधिकार सारे,
रो रही पीड़ित मनुजता, आज अपनी जीत हारे,
जोड़कर कण-कण उसी के, नीड़ का निर्माण कर लूँ ।

उस कृषक का गान कर लूँ ॥

1) संजाल पूर्ण कीजिए ।

[2]



ह

2) i) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए ।

[1]

i) पालित =

ii) उर्वरा =

ह

ii) परिच्छेद में आए दो उपसर्गयुक्त शब्द ढूँढ़कर लिखिए ।

[1]

i)

ii) उर्वरा =

ह

3) उपर्युक्त पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ २५ से ३० शब्दों में लिखिए ।

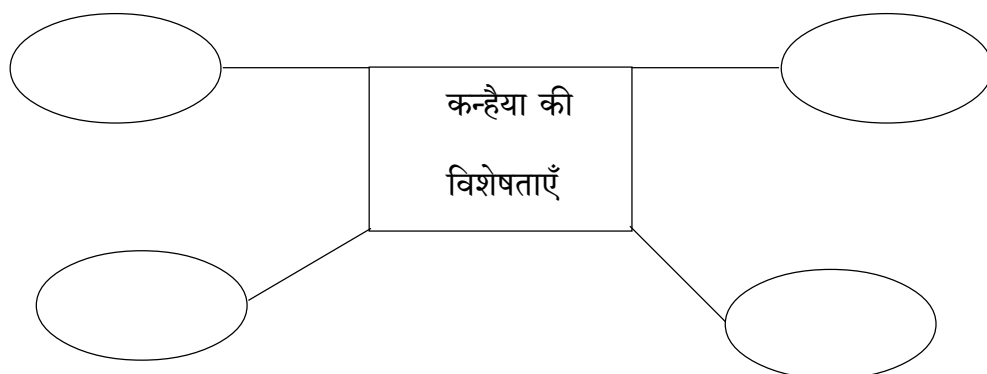
[2]

आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई
जाके सिर मोर मुकट, मेरो पति सोई
छाँड़ि दई कुल की कानि, कहा करिहै कोई ?
संतन ढिग बैठि-बैठि, लोक लाज खोई ।
अंसुवन जल सींचि-सींचि प्रेम बेलि बोई ।
अब तो बेल फैल गई आणंद फल होई ॥
दूध की मथनियाँ बड़े प्रेम से बिलोई ।
माखन जब काढ़ि लियो छाछ पिये कोई ॥
भगत देखि राजी हुई जगत देखि रोई ।
दासी 'मीरा' लाल गिरधर तारो अब मोही ॥

1) आकृति पूर्ण कीजिए ।

[2]



ह

2) निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

[2]

i) मोर =

ह

ii) कुल =

iii) ढिग =

iv) प्रेम =

ह

3) पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ २५ से ३० शब्दों में लिखिए ।

[2]

विभाग ३ – पूरक पठन : 8 अंक

प्रश्न 3)अ)निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

अंदर की दुनिया

हमारे अंदर की दुनिया बाहर की दुनिया से कहीं ज्यादा बड़ी है। हम उसका विस्तार नहीं करते। बाहर की अपेक्षा उसे छोटा करते चले जाते हैं और उसे बिलकुल निर्जीव कर लेते हैं। आजादी, पूरी आजादी, अगर कहीं संभव है तो इसी भीतरी दुनिया में ही, जिसे हम बिलकुल अपनी तरह समृद्ध बना सकते हैं- स्वार्थी अर्थों में सिर्फ अपने लिए ही नहीं, निःस्वार्थी अर्थों में दूसरों के लिए भी महत्त्व रखता है और स्वयं अपने लिए तो विशेष महत्त्व रखता ही है।

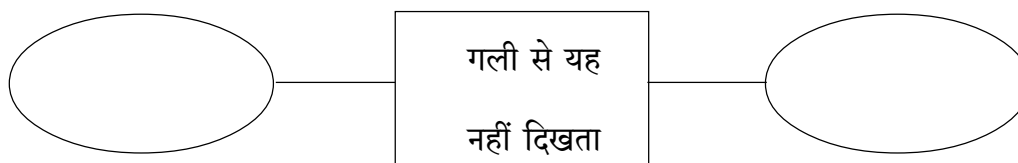
मकान पर मकान

जिस गली में आजकल रहता हूँ-वहाँ एक आसमान भी है लेकिन दिखाई नहीं देता। उस गली में पेड़ भी नहीं हैं, न ही पेड़ लगाने की गुंजाइश ही है। मकान ही मकान हैं। इतने मकान कि लगता है मकान पर मकान लदे हैं। लंद-फंद मकानों की एक बहुत बड़ी भीड़, जो एक सँकरी गली में फँस गई और बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं है। जिस मकान में रहता हूँ, उसके बाहर झाँकने से 'बाहर' नहीं सिर्फ दूसरे मकान और एक गंदी व तंग गली दिखाई देती है। चिड़ियाँ दिखती हैं, लेकिन पेड़ों पर बैठीं या आसमान में उड़तीं हुई नहीं। बिजली या टेलीफोन के तारों पर बैठी, मगर बातचीत करतीं या घरों के अंदर यहाँ-वहाँ घोंसले बनाती नहीं दिखतीं। उन्हें देखकर लगता मानो वे प्राकृतिक नहीं, रबड़ या प्लास्टिक के बने खिलौने हैं, जो शायद ही इधर-उधर फुदक सकते हों या चूँ-चूँ की आवाजें निकाल सकते हों।

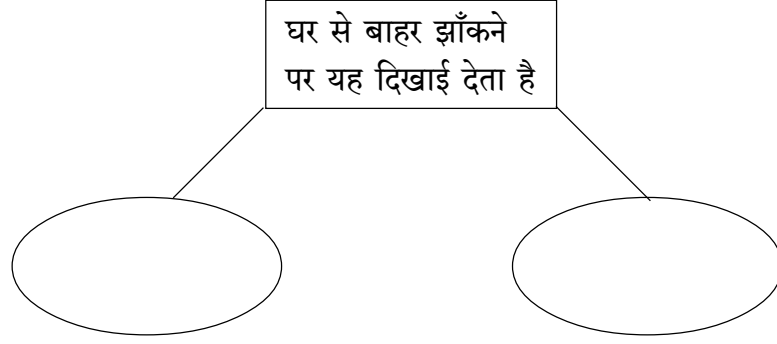
मैं ऐसी सँकरी और तंग गली में, मकानों की एक बहुत बड़ी भीड़ से बिजली या टेलीफोन के तारों से उलझे आसमान से एवं हरियाली के अभाव से जूझते अपने मुहल्ले से बाहर निकलने की भारी कोशिश में हूँ।

1) i) कृति पूर्ण कीजिए।

[1]



ii)



[1]

2) “पक्षियों की घटती संख्या” विषय पर ८-१० पंक्तियों में अपने विचार लिखिए ।

[2]

आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

मन की पीड़ा

छाई बन बादल

बरसीं आँखें ।

चलतीं साथ

पटरियाँ रेल की

फिर भी मौन ।

सितारे छिपे

बादलों की ओट में

सूना आकाश ।

तुमने दिए

जिन गीतों को स्वर

हुए अमर ।

सागर में भी

रहकर मछली

प्यासी ही रही

ह

1) उचित जोड़ियाँ मिलाकर फिर से लिखिए ।

[2]

अ	आ
१) मछली	मौन
२) गीतों का स्वर	सूना
३) रेल की पटरियाँ	प्यासी
४) आकाश	अमर
	साथ

- 2) 'जल ही जीवन है' इस विषय पर अपने विचार ८-१० पंक्तियों में लिखिए । [2]

विभाग ४ – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 14 अंक

प्रश्न 4) सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

- 1) निम्नलिखित वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद पहचानकर लिखिए । [1]

सागर का जल खारा होता है ।

ह

- 2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए । [1]

i) अच्छा !

ii) फटाफट

ह

- 3) कृति पूर्ण कीजिए – [1]

शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
सूर्यास्त	_____ + _____	_____
_____	अथवा नि: + आशा	_____

- 4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर [1]

उसका मूल रूप लिखिए ।

i) समुद्र का नया चेहरा नजर आने लगा ।

ii) मैं सिरचन को मनाने गया ।

ह

सहायक क्रिया	मूल क्रिया

- 5) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक क्रिया का प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए । [1]

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
देना		
उड़ना		

6) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए । [1]

i) फूट फूटकर रोना

ii) टाँग अड़ाना

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए ।

(मुँह लटकाना, तिलमिला उठना)

शिक्षिका की डाँट खाकर मोहन निराश हो गया ।

7) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त कारक चिह्न पहचानकर उसका भेद लिखिए । [1]

i) रामस्वरूप इशारे के लिए खाँसते हैं ।

ii) मानू घर से ससुराल चली गई ।

कारक चिह्न	कारक भेद

8) निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विराम चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए [1]
ब्याह तय करने आए हो कमर सीधी करके बैठा

9) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य [2]
फिर से लिखिए ।

i) आप इतनी देर से नाप-तौल करते हैं । (अपूर्ण भूतकाल)

ii) मँझली भाभी का मुँह लटक गया । (सामान्य वर्तमानकाल)

iii) यहाँ एक मजेदार दृश्य भी देखने को मिला । (सामान्य भविष्यकाल)

10)i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए । [1]

उमा से कह देना कि जरा करीने से आए ।

ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई [1]
सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए ।

1) उमा बैठती है । (आज्ञार्थक वाक्य)

2) मेरी टाँग टूटना एक दुर्घटना थी । (प्रश्नार्थक वाक्य)

11) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए ।

[2]

1) भाषा ईश्वर का बड़ा देन है ।

2) मैं ड्राइवर को बुला लाए ।

3) लक्ष्मी का एक झूबेदार पूँछ था ।

विभाग ५ – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 26 अंक

प्रश्न 5) सूचना – आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है ।

अ) 1) पत्र लेखन –

[5]

राम / रमा जोशी, २०, गणेश सोसायटी, तिलक नगर, कोल्हापूर से अपने नानाजी अमोल दाते, सहकारनगर-१, पुणे को ७५ वें जन्मदिन पर बधाई देते हुए पत्र लिखता / लिखती है ।

अथवा

मनिष / मनिषा पवार, ३४ शांतिनगर, नाशिक से अपने इलाके के रास्तों की दुर्दशा की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए आयुक्त, महानगर परिषद नाशिक को शिकायत पत्र लिखता / लिखती है ।

2) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हो ।

[4]

आज कल महानगरों को बहुत सारे प्रदूषण का सामना करना पड़ता है । जैसे ध्वनि प्रदूषण, वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण और जनसंख्या प्रदूषण । सच है पौधे, जंगल, पेड़ की कटाई की वजह से वायु प्रदूषण होता है । पेड़-पौधे हमें प्राणवायु देते हैं । हमारे वातावरण को हरा-भरा रखते हैं । जंगल में होनेवाले बड़े-बड़े वृक्षों के कारण जमीन मजबूत रहती है जिससे भूकंप का खतरा कम रहता है । जंगल, पेड़-पौधों को काटने से हमारी धरती रेगिस्तान बनती जा रही है । बारिश कम हो रही है । साथ ही बढ़ते हुए यातायात के साधन के कारण जानलेवा कार्बनडाइ ऑक्साइड बड़ी मात्रा में बाहर फेंका जाता है, जिससे इंसान को बीमारियों का सामना करना पड़ता है । हमारे सार्वजनिक त्योहार में बड़े जोर से बजने वाले गाने और भयानक संगीत की वजह से ध्वनि प्रदूषण होता है । हमें चाहिए कि शोर-शराबा ज्यादा न करे, ना ही जोर से चिल्लाए और हमारी कार, मोटर में ध्वनि नियंत्रण करने वाले मशीन लगाए ।

आ)1) वृत्तांत लेखन –

[5]

मुक्तांगण विद्यालय, पुणे में मनाए गए ‘हिंदी दिवस-समारोह’ का ६० से ८० शब्दों में वृत्तांत तैयार कीजिए ।

(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख होना अनिवार्य है)

अथवा

कहानी लेखन –

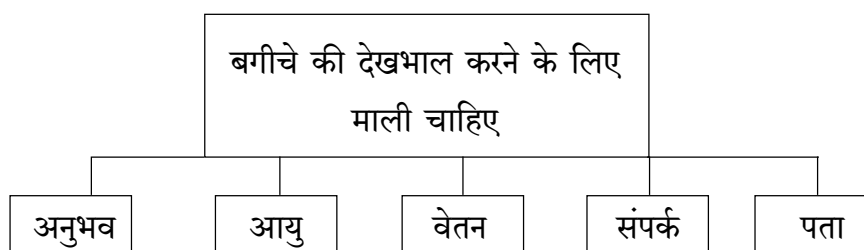
निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर ७०-८० शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख भी लिखिए ।

एक गाँव संत गाडगे बाबा का प्रवेश अस्वच्छता देख दुख होना
अकेले स्वच्छता करने में लगना रोज आकर स्वच्छता करना धीरे-धीरे लोगों का हाथ में झाड़ू उठाना रोज एक घंटा स्वच्छता अभियान में गाँव में स्वच्छता लोगों का स्वच्छता के महत्त्व को समझना बाबा का दूसरे गाँव जाना लोगों का स्वच्छता अभियान जारी.....शीर्षक सीख ।

2) विज्ञापन लेखन –

[5]

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर ५० से ६० शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए ।



इ) निबंध लेखन –

[7]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर ८० से १०० शब्दों में निबंध लिखिए ।

- 1) “मैं किसान बोल रहा हूँ”
- 2) पुस्तक प्रदर्शनी में एक घंटा
- 3) यदि मोबाइल न होते, तो

